16 कल्पनाक संसार

अभिनय 2 दृश्य 3—परिस्थितिजन्य धारणा

0337CH16

गतिविधि 7 जादूक खाधि (परिस्थिति)

सुझाओ

परिस्थिति तखन बनैत अछि जखन लोकसभ एक सङ्ग समूहमे किछु करैत छथि ।

आउ चलू, पहिने एकटा गोल घेरमे सभ गोटे बैसी। ओकर बाद सभक गिनती हेतैक। शिक्षक कोनो संख्या (विद्यार्थी) कैं बजा सकैत छथि। जखन अहाँक संख्या पुकारल जाएत तऽ अहाँ घेर'क मध्यमे जाउ, जतए अदृश्य जादूक खाधि अछि। अहाँ ओहि खाधिसँ पछिला बेर जकाँ कोनो एकटा काल्पनिक वस्तु निकालक बदला अहाँ झट दऽ कोनो परिस्थिति चुनि अपन अभिनय शुरू कऽ दियौ जेना अहाँ ओकर अभिन्न हिस्सा होइ आन बच्चा सभ ओहि पारिस्थिति केर अनुमान लागाओत। गप्प करब वर्जित अछि!

आउ अपनासभ नब दुनियाक निर्माण करी, अलग लोकक स्वाङ्ग करी आ नब रोमाञ्चक परिस्थितिक आनन्द उठाबी! ई सब कोना होइत अछि?

अहाँक मोनक माध्यम सँ! अहाँ जे सोचैत छियैकसे वास्तविकत बनि जाइत अछि!

साधारण

तैयार भऽ क' विद्यालय अयनाइ, ओतय खसब आ फेर डॉक्टर लग गेनाइ।

विशिष्ट

दू गोट छात्र किछु अभिनय शुरु करैत अछि। एकटा छात्र शुरू करैत अछि त' दोसर छात्र पहिल केर सङ्ग भऽ जाइत अछि आओर अपन अभिनयसँ ओहि परिस्थितिक विस्तार करैत अछि। जेना कि खसि पड़नाइ आ डॉक्टर लग जाएब। एतय एक गोटा रोगी आ दोसर डॉक्टर बनल अछि।

अहाँ सीखब

देह-भाषा, अनुवाचन (व्याख्या कएनाइ), रचनात्मकताक माध्यमसँ संवाद कएनाइ, कल्पनाशीलता, सुनब आ अख्यासब केर बीचक अन्तर बुझनाइ।

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- अहाँ परिस्थिति बनबए मे सक्षम छलहुँ?
- परिस्थिति अहाँक अनुभव (देखल वा भोगल) सँ छल अथवा कल्पना छल?
- अहाँ अपन आन पाठ्यपुस्तक केर पाठसँ प्रेरित परिस्थिति बना सकैत छी?

वृत्तकालक टिप्पणी

तँ, आब अहाँ ई बुझ' लगलहुँ अछि जे क्रिया (देह-भाषा) आ अभिव्यक्तिक संयोजनसँ संवादमे कोना सुधार कएल जा सकैत अछि। एकरा हेतु रचनात्मकता आ कल्पनाक आवश्यकता अछि। अहाँ देख सकैत छी जे अहाँ कोना नहि मात्र रङ्गमञ्चक मौलिक शब्दसभकेँ बुझि रहल छी, अपितु एहि कौशल केर निर्माण सेहो कऽ रहल छी, जाहिसँ अहाँ रङ्गमञ्चमे विशेषज्ञ बनि सकैत छी।

एहि दूनू परिस्थिति मे की भऽ रहल अछि?

ओकर सभक क्रिया (देह-भाषा) आ भाव तथा विवरण केर अवलोकन आ वर्णन करू।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 8 वस्तुक अन्य उपयोगिता

ई बुच्ची बोतल केर उपयोग एहि तरहे क रहल अछि:

निर्देश — शिक्षक एकटा बच्चा कैँ बजा कऽ एकटा वस्तु दैत छथि (कक्षाक दैनन्दिन वस्तु जेना लेखनी, डस्टर, चॉक केर टुकड़ी आदि)। वस्तुक ओकर मूल प्रकार्यक अतिरिक्त किछु आन रूपमे उपयोग कएल जएबाक चाही। आन बच्चासभ ओहि पुनर्कल्पित वस्तुक अनुमान लगबैत अछि। आ फेर वएह वस्तु दोसर बच्चाकैँ देल जाइत अछि। ई बुचिया बोतल केर उपयोग एना कऽ रहल अछि:
बच्चा ओकरा किछु अलग प्रकार सँ उपयोग करैत अछि आ दोसर बच्चासभ अनुमान लगबैत अछि। अहाँ ओ नहि क' सकैत छी जे दोसर बच्चा पहिने कऽ चुकल अछि।

याद राखू — अभिनीत वस्तुक आकार मूल वस्तु जकाँ होएबाक चाही। जेना की-एकटा कलमकैँ दाँतक ब्रश, ककबा, वा करौछ देखा सकैत छी किएकी एकर सभक अकार एकहि प्रकारक अछि। एकरा पोथी, पाग वा पनही केर रूप मे उपयोग नहि कएल जा सकैत अछि। किएकी ई सभ आकार मे बहुत अलग अछि।
ई बच्चा कगजिया'क उपयोग एना कऽ रहल अछि:

ई बुतरू पेंसिल केर प्रयोग एहि तरहे कऽ रहल अछि:

सुझाओ: देह-भाषा वा हावभाव अथवा क्रियात्मक अभिव्यक्तिक सङ्ग उपयोग कएलासँ संवाद करबामे नीक सहायोग भेटत।

साधारण

कलम, चॉक, डस्टर, आ कक्षाक आओर वस्तुसभ।

विशिष्ट

पोथी, बैग, अथवा कोनो एहन चीज जे स्तर-1 मे देल वस्तुसँ पैघ हो।

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- गतिविधिक कोन भाग मे अहाँ कैं सभसँ बेसी आनन्द आएल आ किएक?
- कोनो वस्तुक उपयोगक पुनर्कल्पना करब सरल छल वा कठिन?
- कतेक वस्तुक अहाँ सही अनुमान लगएलहुँ?
- गतिविधिमे एकटा नब कोन चीज अहाँ जोड़ि सकैत छी?

वृत्तकाल टिप्पणी

अभ्यास

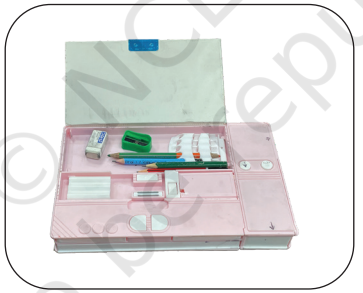

वस्तु — कगजियाक डिब्बा

लैपटॉप गहनाक डिब्बा केबार खोलनाइ

वस्तु — अङ्गोछा (रुमाल)

वस्तु — पानिक बोतल

© NCERT not to be republished

दृश्य 4—ध्वनिक दर्शन

प्रयोजन - लोक वाद्ययन्त्र: तमटे, ढोल, घण्टी, रिकॉर्ड कएल गेल वाद्य सङ्गीत (कोनो स्वर वा गीत नहि) उपयोग कएल जाय।

निर्देश - शिक्षक एकटा ध्वनि बजौता, आ अहाँ अपन आँखि मुनि कऽ पूर्ण ध्यान लगा आवाज सुनू।

मोनमे उठि रहल भावनाक अवलोकन करु। अहाँक मोनमे कोन प्रकारक चित्र वा दृश्य आबि रहल अछि। आब अपन आँखि खोलू आ जे अहाँ अनुभव करैत छी ओकरा रचनात्मक रूपमे नृत्य, आङ्गिक गति, प्रतिक्रिया आ अभिव्यक्तिक रूपमे राखू। गप्प जुनि करू)।

आब अपनासभ अगिला स्तर पर चलब - ध्वनि!
ध्वनिमे स्वयम् विचार आ भावनाकेँ प्रकट करबाक गुण होइत छैक। जखन अहाँ कोनो चिड़ै-चुनमुनी केर चहचहाएब सुनैत छियैक तँ अहाँकेँ केहन लगैत अछि? अहाँ नदीक बहैत जलधार आ समुद्रक लहरि केर ध्वनिक विषयमे की कहब अछि? प्रत्येक ध्वनिक अर्थ लोकक हिसाबसँ भिन्न भऽ सकैत अछि। चलु देखैत छी जे अहाँ जे सुनैत छी ओकरा अहाँ कोना अर्थ दैत छियैक आ हमरा इहो बताउ जे सङ्गीतक प्रत्येक टुकड़ी अहाँकेँ की बतबैत अछि।

क्रियाकलाप 9 ध्वनिक अन्य उपयोगिता

साधारण

स्थानीय ढोल केर लय, पुक्की पारब, सीटी बजाएब आदि। बँसुरी, एकतारा आदि वाद्य केर रिकॉर्ड कएल गेल सङ्गीतक उपयोग विभिन्न मनोदशा आ भाव उत्पन्न करबाक हेतु कएल जा सकैत अछि।

उन्नत

ई एकटा सामुहिक गतिविधि अछि, जतए प्रतिक्रिया एकटा समूहमे होइत छैक। ओ सभ सुनि कऽ ध्वनिक मनोदशाक हिसाबे एकटा बहुत सरल दृश्य बनबैत छथि। जेना की – कोनो उत्सवमे बजैत सङ्गीतक ध्वनी उत्सवक उमङ्ग केर रूपमे देखि सकैत छी; ढ़ोलक गम्भीर ध्वनिकेँ रहस्यक दृश्य केर रूपमे देखा सकैत छी।

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- की ध्वनि अहाँकेँ स्वाभाविक रूपसँ अभिनय लेल प्रेरित करैत अछि?
- की अहाँकेँ ध्वनिक अनुशरण कऽ अभिनय सहज बुझाएल वा कठिन ?
- कोनो एहन ध्वनि जे अहाँ दैनन्दिन कक्षाक वस्तुसँ बनबए चाहैत होइ?
- अपना विषयमे अहाँ की नब बात सिखलहुँ?

वृत्तकालक टिप्पणी

एखन धरि अहाँ एहि ध्वनि सभकेँ कतेको बेर सुनने हएब, मुदा अहाँ एहिमे कोनो अर्थ नहि देखलहुँ। अपनासभ एखन जे कएलहुँ ओकरा 'अखियासब' कहल जाइत अछि। ई सुननाइ सँ अलग अछि। जखन अहाँ कोनो ध्वनि वा बाजल गेल शब्दकेँ बहुत ध्यानसँ सुनैत छियै, ओकरा स्वादै छियै आ उचित प्रतिक्रिया दैत छियै तँ ओ भेलै 'अखियासनाइ वा अखियासब'। अहाँ कक्षामे रोज बहूते ध्वनिसभ सुनैत छी। मुदा जखन अहाँक शिक्षक बजैत छथि तँ अहाँ अखियासति छी।

ई की आश्चर्यजनक नहि अछि जे अपनासभ बिनु बजनहि वा भाषाक प्रयोग कएने संवादक गतिविधि कऽ रहल छी? अपनासभ मात्र बजनाइ वा गप्प करएकेँ संवाद बुझि लैत छी! अपनासभ खिस्सा-पिहानी सुनबए काल अपन मूँह, देह आ ध्वनिक उपयोग कोनो दृश्य बनएबा आ ओकर प्रभावशाली प्रस्तुती लेल करैत छी। की तखन अपनासभकेँ भाषाक प्रयोजन परैत अछि? अहि मादे सोचू, मुदा एखन हेतु अपनासभ भाषणक प्रयोग शुरू करी!

© NCERT not to be republished